UNIVERSITY GRANTS COMMISSION
NET BUREAU

Code No. 62

COMPARATIVE STUDY OF RELIGIONS

SYLLABUS

NOTE : There shall be two question papers – Paper-II and Paper-III. Paper-II will cover 50 objective type questions (multiple-choice, matching type, sequencing type and assertion-reasoning type) carrying 100 marks. Paper-III shall have four sections. Section I will have five questions of 5 marks each and Section II will have fifteen questions of 5 marks each. Section III will have five questions of 12 marks each and Section IV will have one question of 40 marks.

Questions of Section 1 and Section II are compulsory for all candidates and questions of Section III and Section IV will be pertaining to the particular specialization/ religion.

UNIT I : NATURE AND SCOPE OF RELIGION

a. Concept of Religion
b. Significance of and Approaches to the Study of Religions (Historical, Anthropological, Sociological, Philosophical, Phenomenological so on)
c. Founders and Propounders of Religions
d. Major Scriptures (Veda-s, Jaina Agama-s,Tripitake, Bible, Quran, Guru Granth Saheb, Avesta etc.)
e. Individual and Social Aspects of Religion
f. Harmony of Religions and Interfaith Dialogue
g. Modern Challenges to Religions (Materialism, Rationalism, Agnosticism, Atheism and so on)
h. Some basic concepts common to most of the Tribal Religions-
   i) Unified concept encompassing the whole universe and all grades of existence,
   ii) The ideas behind in various primitive societies:- Manaism, Totemism, Tabooism, Animism, Magic, etc.
i. Manifestations of Tribal Religions in individual and social life of Adivasi People.

UNIT II : MAJOR RELIGIONS : COMMON ASPECTS AND THEMES

a. Concept of Universe and Ultimate Reality
b. Theories of Karma, Retribution and Salvation
c. Codes of Ethical Conduct (Monks and Laity)
d. Compassion, Non-violence, Peace and Harmony
e. Social Justice and Human Rights
f. Prayer, Meditation and Mysticism
g. Attitude towards Women
h. Heritage and Culture
i. Worship and Rituals
j. Religion and Science in Dialogue

UNIT III : HINDUISM

a. Nature of Vedic Religion and Culture
b. Vedic Literature - Samhitā-s, Brahmana-s, Āranyak-s, Upanisad-s
c. Saivism, Vaisnavism, Shaktism, Tantraism, etc.
d. Six Systems of Hindu Philosophy – Sankhya, Yoga, Nyaya, Vaiseśika, Mimamsa and Vedanta.
e. Epics (Ramāyana, Mahabharata) and Purana-s
f. Bhakti and Reform Movements of the Medieval Period.
g. Modern Reform Movements (Brahmōsamaja, Aryāsamaja, Ramakrishna Mission, etc.)

UNIT IV : JAINISM

a. Sramana Culture and Tirthankara Tradition (Rsabhadeva to Mahāvira)
b. Main Sects of Jainism – Digambara and Svetambara
c. Prakrit Agama Literature and Prominent Ācāryas
d. Basic Doctrines, Principles and Philosophy
e. Contribution to Arts and Architecture
f. Social Aspects of Jainism
g. Contemporary Developments of Jainism.

UNIT V : BUDDHISM

a. Background, Life and Teachings of Gautama Buddha
b. Pali Tipitaka Literature and Mahayana Surtra-s
c. Main Sects – Theravāda, Mahāyāna, etc.
d. Basic Doctrines, Principles and Philosophy
e. Contribution to Arts and Architecture
f. Expansion of Buddhism Outside India
g. Social Aspects and Revival of Buddhism

UNIT VI : CHRISTIANITY

a. The Life and Message of Jesus Christ and the Beginnings of Christianity
b. Old Testament and New Testament Scriptures and the Question of Interpretation
c. Main Christian Churches (Catholic, Orthodox and Protestant)
d. Important Beliefs and Teachings of Christianity
e. Christian Worship, Rituals and Mysticism
f. History of Christianity in India
g. Contemporary Trends in Christian Theology

UNIT VII : ISLAM

a. Life of Prophet Mohammed and Basic Teachings of the Quran
b. The Establishment of the Islamic Community and the Medinian state
c. Development of the Islamic Civilization under Abbasids
d. International Trade and Foreign Relations in Medieval Period
e. The Contribution of Medieval Islam to Rational Sciences, Philosophy and Fine Arts
f. Development of Sufism and its Impact on the Muslim Society
g. Challenges of Modernity and The Reform Movements among Muslims in India

UNIT VIII : SIKHISM

a. Life and Teachings of Guru Nanak
b. Development of Sikh Tradition under the Ten Gurus
c. Sikh Scriptures (Adi Granth and Dasam Granth)
d. Basic Doctrines, Beliefs and Code of Conduct
e. Major Impact of Sikhism on the Society
f. Sikh Sects and Gurdwara Reform Movement
g. Sikhism in Diaspora

विषय – धर्मों का तुलनात्मक अध्ययन

नोट – पाठ्यक्रम में दो प्रश्नपत्र होंगे – प्रश्न पत्र II तथा प्रश्न पत्र III । प्रश्नपत्र II में 50 बहुविकल्पीय प्रश्न (बहुविकल्पीय टाइप, सुमेलित टाइप, क्रम टाइप एवं कथन–कारण टाइप) होंगे, जिनके 100 अंक होंगे। प्रश्नपत्र III में चार खंड होंगे। खंड I में 5 – 5 अंको के पाँच प्रश्न एवं खंड II में 5 – 5 अंको के पन्द्रह प्रश्न होगे। प्रश्नपत्र III खंड III में 12 – 12 अंको के पाँच प्रश्न एवं खंड IV में 40 अंको का एक प्रश्न होग। ये दोनों प्रश्नपत्र II एवं III संशोधित प्रारूप के अनुसार बनाए जायेंगे। प्रश्नपत्र III के खंड I एवं II के प्रश्न सभी के लिए अनिवार्य होंगे तथा खंड III एवं IV के प्रश्नों को परीक्षार्थी किसी धर्म के विशेष अध्ययन के अनुसार कर सकता है।

पाठ्यक्रम

'धर्मों का तुलनात्मक अध्ययन'

इकाई I – धर्म का स्वरूप एवं क्षेत्र

(अ) धर्म का स्वरूप

(आ) धर्म का व्यक्तिगत और सामाजिक पक्ष

(इ) धर्मों के अध्ययन की विधियाँ – (ऐतिहासिक,मानवशास्त्र, सामाजिक, दार्शनिक एवं निरपेक्ष दृष्टि से)

(ई) धर्मों के संस्थापक एवं प्रवर्त्तक

(उ) प्रमुख धर्मग्रन्थ (वेद, जैन आगम, त्रिपिटक, बाइबल, कुरान एवं गुरुग्रन्थ साहिब)

(ऊ) धर्मों का परस्पर सौहार्द तथा पारस्परिक संवाद

(ए) धर्मों की आधुनिक चुनौतियाँ – भौतिकवाद, बुद्धिवाद, संशयवाद, अनीश्वरवाद एवं अन्य

(ऐ) अधिकांश आदिम धर्मो की कतियय बुनियादी सामान्य अवधारणाएँ–

(अ) सम्पूर्ण विश्व और अस्तितवके विभिन्न स्तरों में आन्तरिक जुड़ाव की अवधारणा

(ब) विभिन्न आदिम समाजों में स्वीकृत धार्मिक विचार–माना, टेटेम, टेबु, सर्वव्यापी जीवन्तता ;एनिमिज्मद्ध, जादूगरी आदि।

(ओ) आदिवासी लोगो के व्यक्तिगत एवं सामाजिक जीवन पर आदिम धर्म का प्रकटीकरण।

इकाई II – प्रमुख धर्मो के समानपक्ष एवं दृष्टिकोण

(अ) विश्वस्वरूप एवं परमसत्ता

(आ) कर्मसिद्धान्त, कर्मपरिपाक तथा मुक्ति

(इ) आचारसंहिता के नियम (साधु एवं गृहस्थ जीवन)

(ई) करुणा, अहिंसा, शान्ति एवं सद्भाव

(उ) सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार

(ऊ) प्रार्थना, ध्यान और अध्यात्म

(ए) नारी के प्रति दृष्टिकोण

(ऐ) पारम्परिक विरासत एवं संस्कृति

(ओ) धर्म एवं विज्ञानगत संवाद

(औ) पूजा एवं धार्मिक कर्मकाण्ड

इकाई III – हिन्दू धर्म

(अ) वैदिक धर्म और संस्कृति का स्वरुप

(आ) वैदिक साहित्य – संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद्

(इ) शैव मत, वैष्णव मत, शाक्त मत और तन्त्रवाद

(ई) हिन्दू दर्शन की षड्दार्शनिक परम्परा – सांख्य, योग, न्याय, वैशेषिक, मीमांसा और वेदान्त

(उ) महाकाव्य – (रामायण और महाभारत) तथा पुराण

(ऊ) मध्य युग के भक्ति और सुधार आन्दोलन

(ए) आधुनिक युग के सुधार आन्दोलन – ब्रह्मसमाज, आर्य–समाज, रामकृष्ण मिशन आदि।

इकाई **IV** – जैन धर्म

(अ) श्रमण संस्कृति और तीर्थंकर परम्परा – ऋषभदेव से महावीर तक

(आ) जैन धर्म के प्रमुख सम्प्रदाय – दिगम्बर एवं श्वेताम्बर

(इ) प्राकृत आगम साहित्य तथा प्रमुख आचार्य एवं लेखक

(ई) आधारभूत सिद्धान्त, नियम एवं दर्शन

(उ) कला एवं स्थापत्य को योगदान

(ऊ) जैन धर्म का सामाजिक पक्ष

(ए) जैन धर्म का समसामयिक विकास।

इकाई **V** – बौद्ध धर्म

(अ) बौद्ध धर्म की पृष्ठभूमि और गौतम बुद्ध का जीवन तथा शिक्षाएं

(आ) पालि तिपिटक साहित्य और महायानी साहित्य

(इ) बौद्ध धर्म के प्रमुख सम्प्रदाय – थेरवाद, महायान, आदि

(ई) आधारभूत सिद्धान्त, नियम एवं दर्शन

(उ) कला एवं स्थापत्य को योगदान

(ऊ) भारत के बाहर बौद्ध धर्म का विस्तार

(ए) बौद्ध धर्म का सामाजिक पक्ष एवं पुनरुत्थान

इकाई **VI** – ईसाई धर्म

(अ) ईसा मसीह का जीवन तथा शिक्षाएं और ईसाई धर्म का प्रारम्भ

(आ) ईसाई धर्म के पूर्वविधान एवं नवविधान तथा उनकी व्याख्याऐं

(इ) प्रमुख ईसाई चर्च – कैथोलिक, आर्थोडाक्स एवं प्रोटेस्टेण्ट

(ई) ईसाई धर्म के महत्वपूर्ण सिद्धान्त एवं शिक्षाएं

(उ) ईसाई पूजा, धार्मिक कर्मकाण्ड एवं रहस्यवाद

(ऊ) भारत में ईसाई धर्म का इतिहास

(ए) ईसाई धार्मिक चिन्तन (थियोलॉजी) की समसामयिक प्रवृत्तियाँ

इकाई VII – इस्लाम धर्म

(अ) पैगम्बर मुहम्मद साहब का जीवन तथा कुरान की प्रमुख शिक्षाएं

(आ) मुस्लिम समुदाय की स्थापना और मदीना राज्य

(इ) अब्बासी ख़िलाफत के अन्तर्गत मुस्लिम सभ्यता का विकास

(ई) मध्य युग में अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार और विदेशी सम्बन्ध

(उ) मध्यकालीन इस्लाम धर्म का बौद्धिक विज्ञान, दर्शन तथा ललित कलाओं को योगदान

(ऊ) सूफीवाद का विकास और उसका मुस्लिम समुदाय पर प्रभाव

(ए) आधुनिक काल की चुनौतियाँ और सुधार आन्दोलन – भारतीय मुस्लिम के सन्दर्भ में

इकाई VIII – सिख धर्म

(अ) गुरु नानकदेव का जीवन तथा शिक्षाएं

(आ) दस गुरुओं के द्वारा सिख पन्थ का विकास

(इ) सिख पन्थ के धार्मिक ग्रन्थ – आादिग्रन्थ (गुरुग्रन्थ साहब) और दशम ग्रन्थ

(ई) सिख पन्थ के प्रमुख सिद्धान्त, नियम और रहत मर्यादा

(उ) सिख पन्थ का समाज पर प्रमुख प्रभाव

(ऊ) सिख सम्प्रदाय और गुरुद्वारा सुधार आन्दोलन

(ए) विदेशों में सिख

SAMPLE QUESTIONS

Paper - II

COMPARATIVE STUDY OF RELIGIONS
धर्मों का तुलनात्मक अध्ययन

1) This is a Vedic Samhita
   (A) Aitraya Brahman
   (B) Brahdaranyak
   (C) Kenopanishad
   (D) Atharvaved

यह वैदिक संहिता है –
   (A) ऐतरेय ब्राह्मण
   (B) बृहदारण्यक
   (C) केनोपनिषद्
   (D) अथर्ववेद

2. The Founder of Jainism was
   (A) Rshabhdev
   (B) Nemi Nath
   (C) Mahaveer
   (D) Parsva Nath

जैन धर्म के संस्थापक थे –
   (A) ऋषभदेव
   (B) नेमिनाथ
   (C) महावीर
   (D) पार्श्वनाथ

3. The place where Gautama Buddha was born is
   (A) Saratthi
   (B) Kapilavatthu
   (C) Rajagaha
   (D) Lumbini

जहाँ गौतम बुद्ध पैदा हुये वह स्थान है –
   (A) सावत्थी
   (B) कपिलवत्थु
   (C) राजगह
   (D) लुम्बिनी

4. This Apostle of Jesus Christ came to India
   (A) St. Peter
   (B) St. John
   (C) St. Thomas
   (D) St. Paul

ईसा मसीहा का यह पट्टाशिष्य भारत में प्रचारार्थ आया –
   (A) सेण्ट पीटर
   (B) सेण्ट जॉन
   (C) सेण्ट थॉमस
   (D) सेण्ट पॉल

5. Sahih Bukhari is:
   (A) Collection of Pre-Islamic Arabian ades
   (B) Collection of the Exegesis of the Qurian
   (C) Collection of Jurisdic decisions
   (D) Collection of the Hadith of the Prophet Muhammad.

सहीह बुखारी है –
   (A) पूर्व इस्तामिक अरबिन पद्य संग्रह
   (B) कुरान की व्याख्याओं का संग्रह
   (C) न्यायगत निर्णयों का संग्रह
   (D) पैगम्बर

6. A Sikh has faith in
   1) God
   2) Guru Granth Sahib
   3) Avatar
   4) Idol worship

   A) 1 and 2 are correct
   B) 1 and 3 are correct
   C) 2 and 3 are correct
   D) 1 and 4 are correct

सिख इन दो पर विश्वास करता है –
   1) ईश्वर
   2) गुरु ग्रन्थ साहिब
   3) अवतार
   4) मूर्ति पूजा

   (A) 1 एवं 2
   (B) 1 एवं 3
   (C) 2 एवं 3
   (D) 1 एवं 4

Paper - III

COMPARATIVE STUDY OF RELIGIONS
धर्मों का तुलनात्मक अध्ययन

Section I

It requires the candidates to write a critique of a given paragraph or stanza from a book on religious phenomena as such. Five carefully considered specific questions will be set from the given paragraph. Each question shall carry five marks and is to be answered in about thirty words.

खण्ड– I

परीक्षार्थियों से यह अपेक्षा है कि वे धार्मिक पुस्तक या विचारधारा से दिये गये अनुच्छेद अथवा पद्य को आलोचनात्मक दृष्टि से पढ़ें और उस अनुच्छेद अथवा पद्य से सम्बन्धित दिये गये पाँच प्रश्नों का उत्तर अधिकतम ३० शब्दों मे लिखे। प्रत्येक प्रश्न पाँच अंकों का है।

Section II

Fifteen questions may be asked across the syllabus. The questions will be definitional or seeking particular information and are to be answered in up to 30 words each. Each question will carry 5 marks (15 x 5 = 75 marks). There is to be no internal choice.

खण्ड– II

निर्धारित पाठ्यक्रम में से १5 प्रश्न पूछे जायेंगे। ये प्रश्न परिभाषा और सूचनात्मक होंगे व इनके उत्तर अधिकतम ३० शब्दों में लिखना हैं। प्रत्येक प्रश्न 5 अंको का होगा। इन प्रश्नों में कोई आन्तारिक विकल्प नहीं होगा।

Sample Questions :

Question 1 Write the names of elements according to Sankhya Philosophy.
सांख्य दर्शन के अनुसार तत्वों के नामों का उल्लेख कीजिए।

Question 2 Write name of twelve Prakrit Āgam texts.
प्राकृत आगम ग्रन्थों के बारह नाम लिखिए।

Question 3 Write the last message of the Buddha as given in the Mahaparinibbansutta.
महापरिनिब्बानसुत्त में निहित गौतम बुद्ध के अंतिम सन्देश लिखिए।

Question 4 What are the main ideas of the Sermon on the Mount ?
पहाड़ी पर ईसा मसीह द्वारा प्रदत्त उपदेशों के प्रमुख विचार क्या हैं ?

Question 5 Why did Prophet Muhammad migrated from Macca to Medina ?
पैगम्बर मौहम्मद साहब मक्का से मदीना क्यों गये ?

Question 6 Write the Names the Panch Pyara of Guru Govind Singh.
गुरु गोविन्द सिंह के पंचप्यारा के नाकों को लिखिए।

Section III

Five extended answer based on analytical/evaluative questions are to be asked on the major specializations, namely Hinduism, Jainism, Buddhism, Christianity, Islam and Sikhism. Questions will be asked on all major specializations and the candidates may be asked to choose one specialisation and answer the five questions. There is to be no internal choice. Each question will be answered in up to 200 words and shall carry 12 marks (5 x 12 = 60 marks).

खण्ड– III

प्रमुख धार्मिक परम्परा – हिन्दू धर्म, जैन धर्म, बौद्ध धर्म, ईसाई धर्म, इस्लाम धर्म एवं सिख धर्म से पाच प्रश्न पूछे जायेंगे, जो व्याख्यात्मक तथा विश्लेषणात्मक होंगे। परीक्षार्थी अपने वैकल्पिक विशेष धार्मिक परम्परा के 5 प्रश्नों का उत्तर देगा। इनमें कोई आन्तरिक विकल्प नहीं होगा। इन प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 200 शब्दों में देना है। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होगा।

Sample Questions :

Question 1 Write doctrines of Yoga in brief.
योगदर्शन के सिद्धान्तों को संक्षेप में लिखिए।

Question 2 Write the concept of Non-voilence according to Jainism.
जैन धर्म के अनुसार अहिंसा का स्वरुप लिखिए।

Question 3 Explain the contents of the Dhammchakka pavattan Sutta.
धम्मचक्कपवत्तन सुत्त की विषयवस्तु की व्याख्या कीजिए।

Question 4 What are the major divisions that happened in the history of Christainity ?
ईसाई धर्म के इतिहास में हुए प्रमुख विभाजन क्या हैं ?

Question 5 Give a brief account of the conquests during the Caliphate of Hazrat Umar.
हज़रत उमर की ख़िलाफ़त के दौरान उनकी विजयों का विवरण दीजिए।

Question 6 Clarify what you mean by Miri Piri in Sikhism.
सिख पन्थ में मीरी पीरी का क्या तात्पर्य है ? स्पष्ट कीजिए।

Section IV

Essay writing – One question with internal choice on general themes and contemporary, theoretical or of disciplinary relevance may be given. The candidate would write up to 1000 words. The question shall carry 40 marks.

खण्ड– IV

निबन्ध लेखन – प्रत्येक धार्मिक परम्परा से एक–एक प्रश्न आन्तरिक विकल्प के साथ दिया जायेगा, जो प्रमुख विचारधारा, सिद्धान्त और आधुनिक सन्दर्भ से युक्त होगा। परीक्षार्थी किसी एक धार्मिक परम्परा के प्रश्न को चुनकर उसका उत्तर लगभग 1000 शब्दों में निबन्ध के रुप में लिखेगा। यह प्रश्न 40 अंकों का होगा।

Sample Questions :

Question 1 Write an essay on Arya Samaj.
आर्य समाज पर एक निबन्ध लिखिए।

OR (अथवा)

Write an essay on major principles of Jainism.
जैन धर्म के प्रमुख सिद्धान्तों पर एक निबन्ध लिखिए।

OR (अथवा)

Write an essay on the origin and development of the Sunyavad theory.
शून्यवाद सिद्धान्त के उद्भव और विकास पर एक निबन्ध लिखिए।

OR(अथवा)

Write an essay on the origin and development of Christianity in India.
भारत में ईसाई धर्म के उद्भव और विकास पर एक निबन्ध लिखिए।

OR(अथवा)

Write an essay on the development of rational sciences in Muslim Society under Abbasids.
अब्बासी–काल में मुस्लिम समुदाय में बौद्धिक विज्ञान के विकास के ऊपर एक निबन्ध लिखिए।

OR(अथवा)

Write an essay on the concept of Guru in Sikhism.
सिख पन्थ में गुरु की अवधारणा पर एक निबन्ध लिखिए।